1. सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा

भारत अत्यंत प्राचीन देश है। सिंधु घाटी की सभ्यता और संस्कृति अद्‌वितीय है। विश्व के प्राचीनतम साहित्य में वैदिक संहिताएँ अनुपम हैं। इसके सपूत गांधी ने विश्व को अहिंसा और सत्याग्रह का अस्त्र दिया था और नेहरू ने शांति का संदेश।

हिमालय की ऊँचाई और हिंद महासागर से घिरी यह धरती देश नहीं, महादेश है। भौगोलिक दृष्टि से विभिन्न प्रकार की जलवायु, धरती और पेड़-पौधे, पहाड़ी और मैदानी इलाके सभी कुछ तो है यहाँ। स्वर्ग की बात आती है तो धरती का स्वर्ग और कहीं नहीं, यहीं इसी भारत में है।

अजंता, एलोरा की गुफाओं तथा कोणार्क के मंदिर की मूर्तियों और विश्व के सात आश्चर्यों में एक आगरा का ताजमहल भी यहीं है। अनेक परंपराओं को सँजोकर उभरनेवाला हमारा समन्वित संगीत और नृत्य, कालिदास और टैगोर की अमर कृतियाँ सुंदर अभिव्यक्तियाँ हैं। विश्व को 'गीता' का उपदेश भी हमीं ने दिया है। विवेकानंद के उपदेश ने अमरीका को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

भारत श्रद्‌धा का देश है। उदार हृदय भारत में सबका स्वागत है। किरात आए, ऑस्ट्रिक आए, द्रविड़ आए, आर्य आए, हूण आए, कुशाण आए, मुसलमान और अंग्रेज़ आए। द्‌वार सभी के लिए खुले रहे।

विश्व के पाँच धर्मों में से तीन भारत ने दिए—हिंदू धर्म, बौद्‌ध धर्म और जैन धर्म। हमने पूजा की—निराकार ब्रह्म की, महान चरित्रों के रूप में राम और कृष्ण की, गंगा-यमुना नदियों की, सूर्य-चाँद के रूप में तारों की और गाय के रूप में पशुओं की।

चिकित्साशास्त्र में आयुर्वेदिक उपलब्धियों का दूसरा कोई जोड़ नहीं। चरक महान शल्यशास्त्री थे जो बाल को भी चीर देते थे। गणित के क्षेत्र में शून्य (0) के महत्व को समझाने की आवश्यकता नहीं। दशमलव-पद्‌धति विश्व को भारत की ही अत्यंत महत्वपूर्ण देन है। आर्यभट अपने समय के आइंसटाइन थे। बीजगणित देने का श्रेय इन्हीं को है।

हमने भी विजय पाई थी, तलवार से नहीं सांस्कृतिक प्रदान से; विद्‌या देकर, दर्शन देकर, धर्म और उपदेश देकर। ऐसा है हमारा हिंदुस्तान। सोने की चिड़िया! हमारा प्यारा भारतवर्ष।